समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

“हमारी रगों मे एंक ही खून”: वायुसेना प्रमुख एपी सिंह का संदेश — जाति-धर्म से ऊपर उठकर एकता को बनाएं भारत की ताकत

Publisher

Published on 07 Nov 2025

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने देश के युवाओं को एक भावनात्मक और प्रेरणादायक संदेश दिया है। उन्होंने जाति, धर्म और समुदाय के आधार पर भेदभाव को समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और एकता में निहित है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, “हमारी रगों में एक ही खून बहता है। हम सभी एक ही धरती के पुत्र हैं, और हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।”

एयर चीफ का यह संदेश ऐसे समय आया है जब समाज में विभाजनकारी विचारों और असहिष्णुता की घटनाएं कभी-कभी चर्चा का विषय बन जाती हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखने के लिए नागरिकों को परस्पर सहयोग, सौहार्द और सम्मान की भावना के साथ जीना होगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपने विचारों और कर्मों से ऐसी मिसाल पेश करें, जिससे समाज में समरसता का वातावरण बने और आने वाली पीढ़ियों को गर्व हो।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सशस्त्र बल हमेशा से इस सिद्धांत पर चलते आए हैं कि देश पहले, बाकी सब बाद में। भारतीय वायुसेना, थलसेना और नौसेना में सेवा करने वाले जवान न किसी धर्म से ऊपर हैं, न किसी जाति से। वे केवल एक पहचान रखते हैं — “भारतीय।” उन्होंने कहा कि जब सीमाओं पर जवान साथ खड़े होते हैं, तब उनके बीच कोई भेदभाव नहीं होता। वहां केवल देशभक्ति, कर्तव्य और सम्मान की भावना होती है। यही वह भावना है जो भारत को मजबूत बनाती है।

उन्होंने युवाओं को चेताते हुए कहा कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए फैलने वाले नफरत भरे संदेश समाज को कमजोर करते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि युवा इनसे दूर रहें और अपने प्रयासों को राष्ट्रनिर्माण में लगाएं। उन्होंने कहा, “देश की उन्नति तभी संभव है जब हम हर व्यक्ति को समान दृष्टि से देखें। अगर हम एक-दूसरे के बीच दीवारें खड़ी करेंगे, तो कोई ताकत हमें आगे नहीं बढ़ा सकती।”

एयर चीफ ने बताया कि आज भारत विज्ञान, तकनीक, रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। लेकिन इन सफलताओं को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि देश के नागरिक आपसी विश्वास और सद्भाव बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान एकता की मिसाल पेश की थी, और वही भावना आज भी हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने कहा, "हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह समाज में भाईचारे की भावना फैलाए। हम चाहे किसी भी धर्म या भाषा से हों, हमारी आत्मा भारतीय है। जब हम एक साथ खड़े होंगे, तभी भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।"

वायुसेना प्रमुख का यह संदेश केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखनी चाहिए। एक सच्चा देशभक्त वही है जो अपने आसपास के लोगों की भावनाओं का सम्मान करे, उनकी मदद करे और एकजुट भारत के निर्माण में अपना योगदान दे।

इस संदेश में एपी सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की रक्षा शक्ति केवल हथियारों में नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच की एकता में बसती है। जब देश के लोग एक-दूसरे का साथ देंगे, तो कोई भी बाहरी या आंतरिक ताकत भारत की अखंडता को नहीं तोड़ सकती।

अंत में उन्होंने युवाओं से कहा कि वे देश की विविधता को अपनी पहचान बनाएं और अपनी ऊर्जा का उपयोग एक मजबूत, प्रगतिशील और शांतिपूर्ण भारत के निर्माण में करें। उनका यह संदेश न केवल भारतीय वायुसेना की गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है, बल्कि भारत की आत्मा — "एकता में ही शक्ति है" — को भी साकार करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.